

358

कार्यालये नगर पंचायत भगवानपुर जनपद हरिद्वार।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत भगवानपुर जनपद हरिद्वार के द्वारा उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम 1916 (उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्त) की धारा 293, व 298 के अधीन प्राविधानों के अन्तर्गत अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत भगवानपुर जनपद हरिद्वार ने अपनी सीमा में तहबाजारी को नियंत्रित करने हेतु तहबाजारी उपविधि 2015-16 बनाये गये हैं, जो उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 301(1) के अन्तर्गत जनसामान्य एवं जिन पर इस उपविधि का प्रभाव पड़ने वाला हो, से आपत्ति एवं सुझाव हेतु प्रकाशित की जा रही है। उक्त उपविधि के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/यंस्था को किसी प्रकार की शिकायत/आपत्ति अथवा कोई सुझाव हो तो वह इस उपविधि के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस में अवकाश दिवस को छोड़कर अपनी लिखित शिकायत/आपत्ति अथवा सुझाव कार्यालय नगर पंचायत भगवानपुर जिला हरिद्वार में प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के बाद प्रस्तुत शिकायत/आपत्ति अथवा सुझाव पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

तहबाजारी उपविधि 2015-16

नियमावली:-

1. नाम व विस्तार:-

- (अ) यह उपविधि नगर पंचायत भगवानपुर जनपद हरिद्वार उपविधि 2015-16 तहबाजारी कहलायेगी तथा नगर पंचायत भगवानपुर की सीमा में प्रवृत्त लागू होगी।
- (ब) यह उपनियम/उपविधि दिनांक 01 अप्रैल से 31 मार्च तक प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:- विषय या प्रसंग से कोई बात प्रतिकूल न होने पर।

- (क) उपनियम का तात्पर्य यथा संशोधित उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम 1916 उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्त) से है।
- (ख) नगर पंचायत का तात्पर्य नगर पंचायत भगवानपुर जिला हरिद्वार से है।
- (ग) अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशाली अधिकारी का तात्पर्य नगर पंचायत भगवानपुर के अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशाली अधिकारी से है।
- (घ) तहबाजारी से तात्पर्य लोक निर्माण विभाग की सड़क, सार्वजनिक भूमि, नगर पंचायत भगवानपुर की सड़क व भूमि इत्यादि से है। उक्त तहबाजारी उपनियम उक्त अधिनियम की धारा 293(1) 298(2) (ज) (ड) व धारा 300, 300(1) के अन्तर्गत बनाये गये हैं।

उपनियम

1.(क) नगर पंचायत भगवानपुर की सीमा के अन्दर जो व्यक्ति सरकारी जगह सडक आदि का व्यापारिक रूप में प्रयोग करेगा। उसको रू0 5.00 प्रति वर्ग मी0 कम से कम रू 10.00 तहबाजारी शुल्क देना होगा।

(ख) यदि कोई दुकानदार अपनी दुकान के सामने अथवा किराये की दुकान के सामने सरकारी भूमि के उपयोग करने पर तहबाजारी शुल्क रू0 5.00 प्रति वर्ग मीटर या कम से कम रू0 10.00 प्रति दिन देय होगा।

सरकारी सडक पर फेरी में सौदा देने पर तहबाजारी शुल्क निम्नवत् देय होगा।

1.सिर पर या शरीर पर कपडा बेचने वाले अथवा दवाई बेचने वाले एजेंट पर	5.00 रू0
2.अन्य सभी फेरी वालों पर	10.00 रू0
3.साईकिल पर सौदा बेचने वालों पर	5.00 रू0
साईकिल पर कोयला व दुध बेचने वालों पर	10.00 रू0
5.घोडा खच्चर आदि पर सौदा बेचने वालों पर	10.00 रू0
6.रेडी ठेली जो एक स्थान से दूसरे पर खड़े होकर सौदा बेचते हैं	10.00 रू0
7.रेडी ठेली जो एक स्थान पर खड़े होकर सौदा बेचते हैं	10.00 रू0
8.भैंसां बुग्गी, खच्चर ठेला घोडा तांगा बैलगाडी पर	20.00 रू0
9.घोडा तांगा भैंसा बोग्गी आदि में मिटटी के धुएं उपले मिटटी के बर्तन व घास भरी हो तो	20.00 रू0
10.टैम्पो मिनीबस, स्टेशन वैगन लारी ट्रक आदि जो सामान उतारता अथवा लादता है।	30.00 रू0
11.मोटर साईकिल. मोपेड अथवा स्कुटर आदि से फेरी पर दुध बेचने पर	20.00 रू0
12.बसें/ मिनी बस/टैम्पो आदि जो सडक को स्टैन्ड के रूप में उपयोग करे प्रतिदिन	30.00 रू0

3. नगर पंचायत की सीमा के अन्दर सरकारी सडक पर या जगहों पर या हाथ में लाये हुए मिटटी के धुएं लकड़ी, कली, चूना, पुले, तीर, हॉडी, घड़े, रस्सी, बान, पंखे आदि पर कोई तहबाजारी शुल्क देय नहीं होगा।

4. इस नियम के अनुसार शुल्क अदा न करने पर अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशाली अधिकारी/मेम्बर इंचार्ज/नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी को अधिकार होगा कि वह उस सम्बन्धित व्यक्ति का सामान उठाकर नगर पंचायत कार्यालय में दाखिल करा देगा और यदि किसी मालिक का सामान यदि खराब होने वाला है तो उसको तुरन्त नगर पंचायत भगवानपुर नीलाम कर देगी और खराब न होने की दशा में एक माह की प्रतीक्षा करने के पश्चात नीलाम कर दिया जायेगा। सामान नीलाम करने पर जो धन प्राप्त होगा उसे शुल्क तहबाजारी के दस गुणा तक अथवा जितना

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी नियत करें काटकर शेष मालिक को लौटा दिया जायेगा अथवा वाद भी योजित किया जा सकता है।

- 4.(अ) उपरोक्त धारा 4 के अनुसार कार्यवाही से जो धनराशि प्राप्त होगी, उस धन से यदि तहबाजारी ठेके पर है तो ठेकेदार को वाजिब शुल्क दे दिया जायेगा और शेष धन नगर पंचायत निधि में जमा कर दिया जायेगा। उक्त कार्यवाही तहबाजारी वसूल करने वाले के लिखित प्रार्थना पत्र पर ही की जायेगी।
5. सरकारी सड़को या नगर पंचायत की भूमि आदि के प्रयोग पर केवल ठेकेदार/, ठेकेदार का मुन्शी या नगर पंचायत के कर्मचारी ही तहबाजारी शुल्क वसूल करेगा और किसी को तहबाजारी शुल्क वसूल करने का अधिकार न होगा।
6. शुल्क लेने-देने वाले के बीच यदि कोई झगडा या वाद-विवाद उत्पन्न हो जाये तो अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी का निर्णय मान्य होगा।
7. तहबाजारी शुल्क वसूल करते समय नगर पंचायत भगवानपुर के कर्मचारी ठेकेदार या ठेकेदार के मुन्शी को शुल्क अदा कर्ता को रसीद देनी होगी जो रसीदें उपयोग में लायी जायेगी वह नगर पंचायत के द्वारा निर्धारित प्रारूप पर नियमानुसार छपवाई जायेगी तथा प्रयोग से पूर्व नगर पंचायत भगवानपुर के अधिशासी अधिकारी के द्वारा प्रमाणित होगी तथा प्रयोग के उपरान्त नगर पंचायत कार्यालय में जमा करनी होगी।
- (क) नगर पंचायत के अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी अथवा अधिकृत अधिकारी/कर्मचारी द्वारा ठेकेदार अथवा ठेकेदार के मुन्शी से किसी भी समय काउन्टर फाईल मांगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।
8. उपनियम तहबाजारी की कार्यवाही नियंत्रित करने का अधिकार अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत कर्मचारी को होगा।
9. ठेके पर दी गई जगह/स्थान की नगर पंचायत को यदि सरकारी कार्य के लिए आवश्यकता पड़े तो ठेकेदार उस जगह/स्थान को अधिकार में लेने से नगर पंचायत को नहीं रोक सकेगा अगर सम्भव हुआ तो उचित मुआवजा ठेकेदार को दे दिया जायेगा। यदि मुआवजे के बारे में कोई झगडा हो तो जिलाधिकारी/प्रशासक/प्रभारी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पंचायत का निर्णय अन्तिम होगा।
10. सरकारी सड़क पर तहबाजारी दुकानदारों को स्थायी दुकानों के सामने रास्ते की एक मीटर चौड़ी जगह छोड़ कर सामान आदि लगाकर बैठने का अधिकार होगा जिस पर स्थायी दुकानदार को कोई आपत्ति न होगी।
11. नगर पंचायत तहबाजारी शुल्क ठेके पर अथवा अमानी पर वसूल करायेगी। तहबाजारी का ठेका 01 अप्रैल से 31 मार्च तक का दिया जायेगा। ठेके की बोली वही व्यक्ति दे

सकेगा जो ₹0 10,000.00 (रुपये दस हजार मात्र) नीलाम से पूर्व बोली की जमानत राशि जमा करेगा। नगर पंचायत भगवानपुर के किसी बकायेदार को बोली का अधिकार नहीं होगा। बोली छुटने पर तुरन्त ठेकेदार को ठेके की धनराशि का 1/4 धन नगर पंचायत कार्यालय में तुरन्त जमा करना होगा यदि वह तुरन्त जमा नहीं करता है तो उसके द्वारा जमा नीलामी की अग्रिम धनराशि जब्त कर ली जायेगी तथा ठेका दूसरी उच्चतम बोलीदाता के नाम छोड़ दिया जायेगा, यदि वह भी ठेके की राशि का 1/4 भाग नगर पंचायत कार्यालय में तुरन्त जमा नहीं करता है तो उसके द्वारा जमा अग्रिम धनराशि जब्त कर ली जायेगी तथा ठेका तृतीय उच्चतम बोलीदाता के नाम छोड़ दिया जायेगा यदि वह भी ठेके की 1/4 धनराशि जमा नहीं करता है तो उसकी भी धनराशि जब्त कर ठेका पुनः नीलाम किया जायेगा। यदि पुनः नीलाम करने पर पंचायत को कोई हानि होती है तो व्यवहारिक न्यायालय में वाद दायर करके प्रथम उच्चतम बोली देने वाले से वसूल की जायेगी। यदि लाभ होता है तो वह नगर पंचायत का होगा।

11(अ) ठेके की 1/4 धनराशि वसूल न होने तक प्रथम द्वितीय तृतीय उच्चतम बोली दाताओं की ठेके की बोली के धनराशि वापस नहीं की जायेगी शेष बोलीदाताओं की बोली समाप्त होते ही वापस कर दी जायेगी

11(ब) ठेका छुट जाने पर ठेकेदार को ठेके की धनराशि की 5 प्रतिशत राशि को राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में पोस्ट ऑफिस में अधिशासी अधिकारी के पदनाम से बन्धित करके पास बुक कार्यालय नगर पंचायत भगवानपुर में जमा करनी होगी। प्रतिभूति की यह धनराशि ठेका समाप्त होने के तीन माह के उपरान्त वापस की जायेगी। जिसमें ठेकेदार को कोई आपत्ति नहीं होगी।

12. प्रतिभूति धनराशि पर सरकार द्वारा समय समय पर निर्देशित करों में नियत शासकीय स्टाम्प पर अनुबन्ध अपने खर्चे पर देना होगा।

13. यदि ठेका नीलाम होने के तीन दिन के अन्दर कोई प्रार्थना पत्र 10 प्रतिशत अथवा अधिक बढ़ोतरी का आता है तो ठेका प्रार्थना पत्र देने वाले को दिया जा सकता है परन्तु ठेकेदार छोड़ दे तो ठेका दोबारा नीलाम कर दिया जायेगा तथा ठेके की कमी धनराशि को ठेका छोड़ने वाले से वसूल किया जायेगा और उसके द्वारा जमा धन जब्त कर लिया जायेगा। जिसका ठेकेदार को कोई उजर नहीं होगा और न ही ठेकेदार किसी न्यायालय में वाद योजित करेगा।

14. ठेके की शेष धनराशि निम्न किस्तों में अर्थात् अप्रैल, जून, तथा अक्टूबर को जमा की जायेगी। अग्रिम के रूप में जमा की गई 1/4 धनराशि प्रथम किस्त के रूप में मानी जायेगी। देय माह की तीन तारीख तक ठेकेदार द्वारा ठेके की किस्त जमा न करने पर ठेकेदार को ₹0 10.00 प्रतिदिन की दर से पेनल्टी के रूप में राशि जमा करनी होगी। एक सप्ताह उपरान्त यदि किस्त जमा नहीं की जाती है तो ठेका निरस्त कर दोबारा उपरोक्त

धारा 11 के अन्तर्गत नीलाम किया जायेगा। जिसका ठेकेदार को कोई उजर-वसर नहीं होगा और न ही ठेकेदार ठेके के निरस्तीकरण के सम्बन्ध में किसी भी न्यायालय में वाद योजित करेगा।


15. ठेकेदार यदि उपरोक्त उपनियमों का उल्लंघन करेगा तो अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी को अधिकार होगा कि वह सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा जमा राशि को जब्त कर ले।

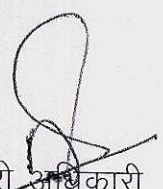
16. उपरोक्त उप नियम की किसी भी धारा का यदि ठेकेदार उल्लंघन करता है और किस्ते समय पर जमा नहीं कर पाता तो वसूली अधिनियम 1916 की धारा 299(1) के अन्तर्गत की जायेगी।

17. पैठ अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी के निर्देशानुसार जहां उपयुक्त समझे, लगेगी इसमें किसी भी दुकानदार/अन्य व्यक्ति को उजर (आपत्ति) न होगी।

दण्ड

यदि उक्त नियमावली की किसी भी धारा का उल्लंघन होता है तो नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 299 (1) के अन्तर्गत अपराध माना जायेगा तथा जो व्यक्ति/ठेकेदार इसका उल्लंघन करेगा या करने को प्रोत्साहन देगा तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी इसके अन्तर्गत ₹0 5000.00 (₹0 पाँच हजार मात्र) तक अर्थदण्ड आरोपित किया जा सकेगा तथा प्रथम दोष सिद्धि के दिनांक से ₹0 20.00 प्रतिदिन अतिरिक्त दण्ड से दण्डनीय होगा।


अधिशर्सी अधिकारी
नगर पंचायत भगवानपुर
जिला-हरिद्वार।


प्रभारी अधिकारी
नगर पंचायत भगवानपुर
जिला-हरिद्वार।

कार्यालय नगर पंचायत भगवानपुर जिला-हरिद्वार।

पत्रांक...38/विप/कर निर्धारण -उपनियम/2015-16

दिनांक:- 7/7/15

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, शहरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
 2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी जिला, (उत्तराखण्ड)
 3. निदेशक, शहरी विकास निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
 4. जिलाधिकारी हरिद्वार।
 5. उपजिलाधिकारी हरिद्वार रूढ़ि / भगवानपुर / लालपुर।
 6. जिला सूचना अधिकारी हरिद्वार।
 7. समस्त स्थानीय निकाय, जनपद हरिद्वार।
 8. संवाददाता श्री. हरिद्वार को इस आशय के साथ कि उपरोक्त सूचना का प्रकाशन अपने समाचार पत्र के आगामी अंक में छोटे किन्तु पठनीय शब्दों में शासकीय दरों पर कराकर समाचार पत्र की पाँच प्रतियों सहित बिल भूगतान हेतु पंचायत कार्यालय को उपलब्ध करायें।
 - ✓ 9. एनआईसी, उत्तराखण्ड, देहरादून को उत्तराखण्ड शासन की वेबसाईट पर अपलोड किये जाने के अनुरोध सहित प्रेषित।
 10. एनआईसी, हरिद्वार को जनपद हरिद्वार का वेबसाईट पर अपलोड किये जाने के अनुरोध सहित प्रेषित।
1. जिलाधिकारी जिला पंचायत भगवानपुर के नौकरी बौद्ध, प्र. पत्रा. दे. 1

भवदीय,

अधिशाली अधिकारी
नगर पंचायत भगवानपुर
जिला-हरिद्वार।